तापमान
अधिकतम 38.2°C
न्यूनतम 24.5°C

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 27 जुलाई 2026

11 नाटक में राजकीय विद्यालय मदीना की टीम प्रथम

12 'मन की बात' कार्यक्रम जनआंदोलन बना ...

खबर संक्षेप

सिसाना में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

खरखौदा। गांव सिसाना में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने पति और सास पर दहेज की मांग को लेकर जबरन सल्फास खिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। आशीष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन तनु का विवाह 14 फरवरी 2020 को गांव सिसाना निवासी सुरेश के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और सास अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर तनु को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। शिकायत के अनुसार, 21 जुलाई को पति खाद-बीज की दुकान से सल्फास लेकर आया और सास की मदद से तनु को जबरन जहरीली गोली खिला दी। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ने पर उसे पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया, जहां 24 जुलाई की रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। तनु अपने पीछे पांच वर्षीय बेटी और दो वर्षीय बेटे को छोड़ गई है।

गुरु पूर्णिमा पर देव ऋषि विद्या निकेतन में 29 जुलाई को भंडारा

राई । गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बहालगढ़ स्थित देव ऋषि विद्या निकेतन में 29 जुलाई को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। स्कूल निदेशक जोगिंदर आंतिल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है, जो गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

निजी स्कूलों की तर्ज पर बदलेंगे 11 पीएमश्री विद्यालय, 22.28 करोड़ से होगा कायाकल्प

नए शैक्षणिक सत्र से लैब, स्मार्ट कक्ष, पुस्तकालय हर्बल गार्डन और अन्य सुविधाओं का होगा विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले के 11 पीएमश्री राजकीय विद्यालयों की तस्वीर बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। इन विद्यालयों में निजी स्कूलों की तर्ज पर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए समग्र शिक्षा के तहत 22 करोड़ 28 लाख 22 हजार रुपये का बजट मंजूर किया गया है। राशि से विद्यालयों में आधुनिक लैब, नए कमरे, पुस्तकालय, शौचालय, हर्बल गार्डन सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। जिला शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए यह बजट तैयार कर मुख्यालय को भेजा था। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बजट में 2 करोड़ 91 लाख 45 हजार रुपये की बढ़ोतरी भी की गई थी। अब मुख्यालय से बजट को मंजूरी मिलने के बाद विद्यालयों में विकास कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। नई शिक्षा नीति के तहत पीएमश्री विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को सरकारी स्कूलों में ही आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

लैब से लेकर वर्दी तक का बजट शामिल: जिला परियोजना संयोजक कृष्णा खत्री ने बताया कि बजट में विद्यार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें विज्ञान लैब, कंप्यूटर कक्ष, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय निर्माण, पुस्तकालय, खेल सामग्री, निशुल्क पाठ्य सामग्री और विद्यार्थियों की वर्दी सहित अन्य कार्य शामिल हैं। बजट के अनुसार सभी 11 पीएमश्री विद्यालयों में बायोलॉजी, कैमिस्ट्री, फिजिक्स और साइंस लैब के लिए संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके अलावा छह विद्यालयों में छात्राओं के लिए कॉमन रूम, कंप्यूटर कक्ष, फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी लैब का निर्माण किया जाएगा। विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, छात्र-छात्राओं के लिए नए शौचालय, आर्ट एंड क्राफ्ट रूम सहित विभिन्न सुविधाओं पर करीब 5 करोड़ 22 लाख 70 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

प्रशिक्षण और डिजिटल सुविधाओं पर भी जोर

बजट में शिक्षकों के प्रशिक्षण, विद्यार्थियों के कौशल विकास, डिजिटल सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर सामग्री, जीवन कौशल प्रशिक्षण और कार्यक्रम प्रबंधन के लिए भी राशि निर्धारित की गई है।इसके अलावा खेल संसाधन, पुस्तकालय, विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए सुविधाएं, पर्यावरण संरक्षण के तहत एलईडी लाइटिंग, सब्जी और औषधीय गार्डन, स्वच्छता अभियान, डिजिटल लाइब्रेरी, अटल लैब, रोबोटिक लैब प्रशिक्षण, सोलर पैनल और ओपन जिम जैसी सुविधाओं को भी शामिल किया गया है।

सालाना बजट को मुख्यालय से मंजूरी मिली

जिले के 11 पीएमश्री विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए तैयार सालाना बजट को मुख्यालय से मंजूरी मिल चुकी है। जरूरत के अनुसार अलग-अलग योजनाओं के लिए बजट निर्धारित किया गया है। जल्द ही विद्यालयों में व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर नई सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। -नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

अन्य सुविधाओं व गतिविधियों पर खर्च होंगे करोड़ों रुपये

- शिक्षकों के प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए 2.14 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें इंडक्शन ट्रेनिंग, विभिन्न कोर्स, रॉ मटेरियल और विद्यालय स्तर के प्रशिक्षण
- डिजिटल सुविधाओं के विस्तार के लिए सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और कंप्यूटर सामग्री पर 13.20 लाख और 33.20 लाख रुपये के अलग-अलग बजट रखे गए हैं
- विद्यार्थियों के जीवन कौशल विकास के लिए 90 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने वाले कार्यक्रम शामिल हैं। वहीं, प्रोग्राम मैनेजमेंट के लिए 2.10 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं
- एनुअल स्कूल ग्रांट के तहत सभी पीएमश्री विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार 12.25 लाख रुपये दिए जाएंगे
- विद्यार्थियों को निशुल्क वर्दी वितरण के लिए 16.32 लाख रुपये और पाठ्य सामग्री वितरण के लिए 16.11 लाख रुपये का प्रावधान
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सुविधाओं के लिए 12 लाख रुपये खर्च होंगे खेल संसाधनों और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 15.50 लाख रुपये का बजट रखा
- विद्यालय पुस्तकालयों के विकास के लिए 4.40 लाख रुपये की ग्रांट दी जाएगी
- 406 शिक्षकों के लिए पुस्तक, पाठ्य सामग्री, वार्षिक परीक्षा, रिपोर्ट कार्ड और राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के लिए 2.47 करोड़ रुपये खर्च होंगे
- पर्यावरण संरक्षण के लिए एलईडी लाइटिंग, सब्जी व औषधीय गार्डन, स्वच्छता पखवाड़ा और रंगीन डस्टबिन पर 12.32 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे
- डिजिटल लाइब्रेरी, अटल लैब, रोबोटिक लैब प्रशिक्षण, सोलर पैनल, स्टाफ कक्ष, ओपन जिम, ओलंपियाड और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं के लिए 1.64 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है

गौतम ने वियतनाम में जीता पदक, पेंचक सिलाट में बढ़ाया देश का मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

वियतनाम में आयोजित 10वीं सीनियर एशियन पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाने वाले प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा के खिलाड़ी गौतम का दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। गौतम ने प्रतियोगिता के 90-95 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। उसकी उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, प्रशिक्षकों और परिजनों ने फूल-मालाओं और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के द्रोणाचार्य अवार्डी एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर ओम प्रकाश दहिया, अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, कोच जगमेंद्र पांचाल, गौतम के पिता योगेंद्र दहिया गोपालपुर सहित विद्यालय के खिलाड़ी और शुभचिंतक मौजूद रहे। ओम प्रकाश दहिया ने कहा कि विद्यालय के पेंचक सिलाट खिलाड़ियों ने अब तक 7 अंतरराष्ट्रीय और 139 राष्ट्रीय पदक जीतकर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि गौतम की उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करेगी। अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने कहा कि गौतम ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उसकी सफलता विद्यालय के अन्य खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। गौतम ने अपनी सफलता का श्रेय प्रताप स्कूल प्रबंधन समिति, माता-पिता और अपने कोच जगमेंद्र पांचाल को दिया।

■ दिल्ली एयरपोर्ट पर स्कूल प्रबंधन, प्रशिक्षकों और परिजनों ने किया स्वागत

कारगिल विजय दिवस : कैडेट्स ने वीर शहीदों को किया नमन

हिंदू गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने पेश किए देशभक्ति के कार्यक्रम

सोनीपत। हिंदू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की सीनियर विंग एनसीसी की ओर से कारगिल विजय दिवस श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विशाल दूबे के निर्देशानुसार किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण, अमर जवान स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करने और दो मिनट का मौन रखकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। कॉलेज प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल ने कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और देशभक्ति का स्वर्णिम अध्याय है। उप-प्राचार्या डॉ. अनीता गोयल और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कैप्टन नीतू नसीयर दूहन ने भी छात्राओं को अनुशासन का महत्व बताया। कार्यक्रम में कैडेट दीक्षा ने वीर रस की कविता, कैडेट पूर्णिमा ने भाषण तथा समीक्षा और संजना ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। यूओ प्रियंका, अंडर ऑफिसर सपना सहित अन्य कैडेट्स ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। इस मौके पर छात्राओं ने देशसेवा का भी संकल्प लिया।

-संबंधित समाचार पेज 11 पर

स्वच्छता प्रहरियों ने गांधी चौक से ड्रेन नंबर-6 तक चलाया स्वच्छता अभियान

■ मेयर राजीव जैन ने शहरवासियों से कूड़ा न फैलाने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शहर को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से स्वच्छता प्रहरी परिवार के सदस्यों ने रविवार सुबह गांधी चौक से ड्रेन नंबर-6 तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान स्वच्छता प्रहरियों ने श्रमदान कर सड़कों पर फैले कूड़े को एकत्रित किया और शहरवासियों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। अभियान का नेतृत्व करते हुए मेयर राजीव जैन ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फैलाना शहर की सुंदरता को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यदि लोग अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे तो उन्हें जागरूक करने के लिए शर्मिंदा करने का अभियान भी चलाया जाएगा। सुबह करीब 6:30 बजे गांधी चौक पर एकत्रित हुए स्वच्छता प्रहरियों ने सड़क किनारे पड़े कूड़े को स्वयं उठाया। बाद में मशीनों के माध्यम से कूड़े को हटवाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे खाली पड़े एक प्लॉट में जमा भारी मात्रा में कूड़े की भी सफाई करवाई गई। मेयर राजीव जैन ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से स्वच्छता प्रहरी परिवार का गठन किया गया है। अब तक 250 से अधिक नागरिक स्वेच्छा से श्रमदान के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। अभियान में आनंद वृद्ध आश्रम, हवा सिंह पहलवान, पार्षद सुरेंद्र मदान, दिलबाग सिंह मास्टर, राकेश शर्मा, संदीप बत्रा, मनीष ट्री सहित अन्य मौजूद रहे।

सोनीपत। अभियान के दौरान कूड़ा साफ करते मेयर राजीव जैन व अन्य।

गन्नौर में बदलेंगे जर्जर बिजली के तार, लो वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या से मिलेगी राहत

गन्नौर। शहरवासियों को जल्द ही लो वोल्टेज, बार-बार बिजली ट्रिप होने और अघोषित कटों की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। बिजली निगम ने शहर में वर्षों पुराने और क्षतिग्रस्त बिजली तारों को बदलने की योजना तैयार की है। इसके तहत जर्जर तारों को हटाकर उनकी जगह नई और अधिक क्षमता वाली लाइनें बिछाई जाएंगी। बिजली निगम अधिकारियों के अनुसार शहर के कई क्षेत्रों में पुराने तार खराब हो चुके हैं। अधिक लोड और जर्जर तारों के कारण आए दिन फाल्ट की समस्या सामने आती है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ती है। कई क्षेत्रों में लो वोल्टेज के कारण घरेलू उपकरण भी प्रभावित हो रहे हैं। नई लाइनें बिछने के बाद बिजली आपूर्ति व्यवस्था अधिक मजबूत होगी और ट्रिपिंग की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

जल्द शुरू होगा काम

बिजली निगम के जेई सुरेश कुमार ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण फिलहाल कार्य प्रभावित है, लेकिन निर्धारित योजना के अनुसार जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा। कार्य पूरा होने के बाद शहर की बिजली व्यवस्था पहले से अधिक सुचारु हो जाएगी।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए लागू की संशोधित समय सारिणी

सोनीपत-जींद रूट पर दो ट्रेनों के समय में बदलाव, पैसेंजर 10 मिनट और फरक्का एक्सप्रेस 5 मिनट देरी से चलेगी

- 74029 सोनीपत-जींद पैसेंजर अब सुबह 9:50 बजे और 15733 फरक्का एक्सप्रेस 7:35 बजे होगी रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों के बेहतर संचालन को देखते हुए सोनीपत-जींद रूट पर चलने वाली एक एक्सप्रेस सहित दो ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव किया है।

रेलवे अधिकारियों के निर्देश के बाद संशोधित समय सारिणी शनिवार से लागू कर दी गई है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 74029 सोनीपत-जींद पैसेंजर अब सोनीपत जंक्शन से अपने पुराने समय से 10 मिनट देरी से सुबह 9:50 बजे रवाना होगी। वहीं, सोनीपत-बठिंडा के बीच चलने वाली 15733 फरक्का एक्सप्रेस भी अब सोनीपत स्टेशन से 5 मिनट देरी से सुबह 7:35 बजे रवाना होगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों के समयबद्ध संचालन को ध्यान में रखते हुए समय में संशोधन किया गया है।

सभी संबंधित रेलवे स्टेशनों को नई समय सारिणी का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

सोनीपत। स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर गंतव्य की ओर जाते यात्री।

समयबद्ध संचालन के लिए टाइम टेबल बदला

यात्रियों की सुविधा के लिए सोनीपत-जींद रूट पर चलने वाली दो ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। नई समय सारिणी शनिवार से लागू हो चुकी है। ट्रेनों के बेहतर और समयबद्ध संचालन के लिए यह संशोधन किया गया है। -हिमांशु शेखर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे

हालांकि फरक्का एक्सप्रेस के बलूरघाट-सोनीपत के बीच संचालन समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि 25 जुलाई के बाद यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन के नए समय की जानकारी जरूर जांच लें, ताकि स्टेशन पर किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

टीका राम कॉलेज की खुशी ने विवि मेरिट में पाया दूसरा स्थान

सोनीपत। टीका राम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की बीएससी स्पोर्ट्स की छात्राओं ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की संयुक्त मेरिट सूची में शानदार प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। बीएससी स्पोर्ट्स चौथे सेमेस्टर की छात्रा खुशी ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि इसी कक्षा की छात्रा आरती ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन मान ने बताया कि बीएससी स्पोर्ट्स की कुल 10 छात्राओं ने एमडीयू की संयुक्त मेरिट सूची के टॉप-20 में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्राओं की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। कॉलेज प्राचार्या डॉ. उषा दहिया ने सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं कॉलेज प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने छात्राओं की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

■ बीएससी स्पोर्ट्स की 10 छात्राओं ने चमकाया कॉलेज का नाम

सुंदरकांड पाठ में गूंजा प्रभु श्रीराम का गुणगान, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से न्यू तारा नगर में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और रामकथा का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की भक्ति में भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रामकथा के दौरान हनुमान जी के अद्वितीय पराक्रम, बुद्धिमत्ता और प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अटूट भक्ति का वर्णन किया गया। कथा में बताया गया कि हनुमान जी ने लंका पहुंचकर माता सीता की खोज की, लंकिनी को पराजित किया और अशोक वाटिका में माता सीता को प्रभु श्रीराम की मुद्रिका देकर उनके शीघ्र उद्धार का विश्वास दिलाया। कथा के दौरान अक्षय कुमार वध, रावण के दरबार में हनुमान जी के निर्भीक संवाद और स्वर्ण लंका दहन जैसे प्रसंगों का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया। श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ और हरिनाम संकीर्तन में उत्साह के साथ भाग लिया।इस अवसर पर पवन सहगल, शाम रहेजा, सूरज कांत, राकेश बहल, ललित बत्रा, महेश पांडे, महेश, जतिन, अमित, ईशांत, अशोक सहित अन्य मौजूद रहे।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

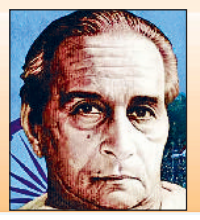

कहानी

डॉ. मधुकांत

डरा-सहमा बाप

भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था।

दोपहर का समय था। बाजार की गहमागहमी के बीच भूशरण अपनी कपड़े की छोटी सी दुकान में लकड़ी के पुराने काउंटर के पीछे बैठा था। पंखा अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा था, लेकिन उसके माथे पर पसीने की बूंदें साफ चमक रही थीं। उसकी नजरें सामने की सड़क पर थीं, पर मन कहीं दूर अतीत की गलियों और भविष्य की चिंताओं में भटका हुआ था। तभी उसका पुराना मित्र रामेश्वर दुकान में दाखिल हुआ। उसने देखा कि भूशरण ने उसे आते हुए भी नहीं देखा।

रामेश्वर ने कंधे पर हाथ रखा, 'क्यों भूशरण भाई! आज किस दुनिया में खोए हो? ग्राहक खड़ा हो जाए तो शायद तुम्हें पता भी न चले।' भूशरण ने हड़बड़ा कर लंबी सांस ली, 'आओ रामेश्वर, बस यूँ ही... घर-गृहस्थी की बातें हैं।' रामेश्वर पास पड़े स्टूल पर बैठ गया और बोला, 'देखो भाई, चेहरा मन का दर्पण होता है। तुम्हारी आँखों की ये गहरी झुर्रियां बता रही हैं कि मामला मामूली नहीं है। सुना है दुख बांटने से हल्का होता है, शायद कोई समाधान ही निकल आए।' भूशरण का गला भर आया। उसने डबडबाई आँखों से कहा, 'रामेश्वर, समाज में हम 'लड़का-लड़का' कहकर छाती चौड़ी करते हैं, पर जब वही लड़का बड़ा होकर बाप को आँखें दिखाने लगे, तो कलेजा फट जाता है। बेटी राखी का विवाह किया तो लगा कंधों का बोझ उतर गया, पर यह धीरेंद्र... इसने तो नाक में दम कर रखा है। न पढ़ाई में मन लगाता है, न दुकान पर बैठता है। आवारागर्दी और बदतमीजी इसकी पहचान बन गई है।' रामेश्वर ने सहानुभूति से कहा, 'आजकल की हवा ही खराब है भूषण। पर तू एक काम कर, तू उसका बाप है, पर वो शायद तेरी बात न माने। तू चुपचाप उसके स्कूल जा और मास्टर जी से मिल। शिक्षक का भय और सम्मान आज भी बच्चों के मन में होता है।' अगले दिन भूशरण भारी मन से धीरेंद्र के स्कूल पहुँचा। गलियारे में चलते हुए उसे डर लग रहा था कि कहीं धीरेंद्र उसे देख न ले। वह प्रधानाध्यापक के कमरे में पहुँचा। मास्टर जी ने चश्मा ठीक करते हुए पूछा, 'जी, आप कौन? क्या काम है?' 'जी, मैं धीरेंद्र का पिता हूँ,' भूशरण ने हाथ जोड़कर कहा। मास्टर जी के तेवर बदल गए, 'अच्छा, तो आप हैं उसके पिता! धीरेंद्र तो एकदम नालायक है। कक्षा में पीछे बैठकर शोर मचाता है, दूसरों को पढ़ने नहीं देता और सुना है कि स्कूल के बाहर गलत लड़कों के साथ उठता-बैठता है। आप उसे घर पर कुछ कहते नहीं?'

भूशरण की आँखें झुक गईं। 'मास्टर जी, इसीलिए आपके पास आया हूँ। आप उसे समझाइए, थोड़ा डराइए। शायद आपकी बात मानकर वह सुधर जाए और सही रास्ते पर आ जाए।' फिर स्वर धीमा करते हुए उसने कहा, 'पर मास्टर जी, मेरा एक निवेदन है... उसे यह मत बताइएगा कि मैं शिकायत लेकर आया था।' मास्टर जी हैरान रह गए, 'क्यों भाई? आप उसके पिता हैं या कोई अजनबी? इतना डर क्यों? आजकल सरकार ने हमारे हाथ बांध रखे हैं कि हम बच्चों पर हाथ नहीं उठा सकते, पर आप तो उसे डांट सकते हैं।' भूशरण ने लाचारी से सिर हिलाया, 'मास्टर जी, आप नहीं समझेंगे। आजकल एक ही बेटा है। डर लगता है कि कहीं ज्यादा टोकने पर घर छोड़कर न भाग जाए या कुछ कर न बैठे। बस आप अपने स्तर पर देख लीजिए।' यह कहकर भूशरण एक अपराधी की तरह चुपचाप स्कूल से बाहर निकल आया। उसे नहीं पता था कि यह 'गोपनीयता' ज्यादा देर नहीं टिकेगी। दोपहर को जब धीरेंद्र स्कूल से लौटा, उसका चेहरा गुस्से से तमतमाया हुआ था। उसके दोस्तों ने उसे बता दिया था कि उसका 'बुड्ढा' बाप स्कूल में उसकी मुखबिरी करने आया था। घर में घुसते ही उसने जोर से बस्ता पटका। 'बापू! आपकी हिम्मत कैसे हुई स्कूल जाकर मेरी बुराई करने की?' धीरेंद्र चीखा। भूशरण के हाथ कांपने लगे, 'बेटा, मैं तो बस तुम्हारी भलाई के लिए...' 'चुप रहिए! आपने मुझे सबके सामने जलील किया है। अब देखिए मैं क्या करता हूँ!' धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई। रमी रोने लगी और भूशरण को कोसने लगी, 'क्यों गए थे स्कूल? देख लीजिए, अगर मेरे बेटे ने कुछ कर लिया तो मैं जान दे दूंगी।' भूशरण जो खुद डरा हुआ था, अब गिड़गिड़ाने लगा, 'बेटा धीरेंद्र, दरवाजा खोल दे। मैं कान पकड़ता हूँ, अब कभी स्कूल नहीं जाऊंगा। जो तू कहेगा वही होगा। बस बाहर आ जा।' घंटों के मिन्नतों के बाद धीरेंद्र ने दरवाजा खोला।

> धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

उसके चेहरे पर जीत की कुटिल मुस्कान थी। उसने जान लिया था कि उसके माता-पिता उसके 'गुस्से' के गुलाम हैं। समय बीतता गया, पर धीरेंद्र की आदतें नहीं बदलीं। दसवीं कक्षा में पहुँचते ही उसने नई मांग रख दी-मोटरसाइकिल।' बाबूजी, मुझे स्कूल जाने के लिए बाइक चाहिए। मेरे सभी दोस्तों के पास है,' उसने आदेशात्मक लहजे में कहा। भूशरण ने समझाने की कोशिश की, 'बेटा, अभी दुकान की हालत ठीक नहीं है। थोड़ा रुक जा, ग्यारहवीं में दिला दूंगा। 'धीरेंद्र का पारा चढ़ गया, 'हमेशा का यही रोना है! आपके पास मेरे लिए पैसे नहीं होते। ठीक है, अब मैं घर तभी आऊंगा जब बाइक आएगी।' वह गुस्से में घर से निकल गया। रात के दस बजे, फिर ग्यारह... धीरेंद्र नहीं लौटा। रमी का रो-रोकर बुरा हाल था। मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। भूशरण पागलों की तरह गलियों में उसे ढूंढ रहा था। रिश्तेदारों ने धीरेंद्र को ढूंढने के बजाय भूशरण को ही उपदेश देना शुरू कर दिया, 'भाई साहब, जमाना बदल गया है। बच्चों को प्यार से रखना पड़ता है। उसकी जिद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' अगली सुबह धीरेंद्र एक पार्क में बेंच पर सोता हुआ मिला। जब वह घर आया, तो भूशरण ने उसे गले लगाने के बजाय उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'बेटा, तू घर आ गया, यही बहुत है। मैं कल ही उधार लेकर तुझे बाइक दिला दूंगा।' उस दिन भूशरण ने अपनी मेहनत की कमाई और स्वाभिमान, दोनों को उस लोहे की मशीन के बदले बेच दिया। बाइक आने के बाद धीरेंद्र के पंख और निकल आए। अब वह रात-रात भर बाहर रहने लगा। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे और चाल में लड़खड़ाते कदम बता रहे थे कि वह नशे के दलदल में धंस चुका है। एक रात जब वह घर आया, तो सीधे भूशरण के सामने जाकर खड़ा हो गया। मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था। रमी ने एक दिन सुझाव दिया, 'सुनो, इसकी शादी कर देते हैं। सिर पर जिम्मेदारी आएगी तो शायद सुधर जाए।' भूशरण ने ठंडी सांस भरी, 'रमी, हम अपनी बला किसी और के गले डालने जा रहे हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष जिसे हम इस नर्क में झोंकेंगे?' पर ममता और उम्मीद के आगे तर्क हार गए। एक गरीब परिवार की सुशील लड़की 'शैला' से धीरेंद्र का विवाह कर दिया गया। शुरुआत में लगा कि शायद चमत्कार हो गया है। धीरेंद्र घर पर रहने लगा। पर यह शांति तूफान से पहले की खामोशी थी। जल्द ही उसने शैला को पीटना शुरू कर दिया ताकि वह अपनी माँ के गहने या मायके से पैसे लाकर उसे दे। भूशरण अपनी बहू की चीखें सुनता, पर वह इतना 'डरा-सहमा' था कि बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। साल गुजरते गए। रमी का देहांत हो गया। भूशरण अब बिस्तर पकड़ चुका था। घर में अब एक नया सदस्य था—पोता 'अधीर'। अधीर जब बड़ा हुआ, तो उसने घर में क्या देखा? एक शराबी पिता जो माँ को मारता है और एक लाचार दादा जो बस कोने में पड़ा रहता है।

अधीर ने वही सीखा जो उसने देखा। वह भी नशे की दुनिया में चला गया। एक शाम का दृश्य बड़ा भयानक था। धीरेंद्र नशे में धुत्त होकर घर आया। उसने रसोई में जाकर शैला को खाने के लिए गाली दी और हाथ उठाया।' आज तुझे मार ही डालूंगा, रोज का किच-किच खत्म!' धीरेंद्र ने जैसे ही हाथ हवा में लहराया, एक मजबूत हाथ ने उसकी कलाई को बीच में ही दबोच लिया। वह अधीर था। उसकी आँखों में वही खून सवार था जो कभी धीरेंद्र की आँखों में अपने पिता के प्रति होता था। अधीर ने धीरेंद्र की कलाई इतनी जोर से मरोड़ी कि वह घुटनों के बल बैठ गया।' खबरदार! अगर आज के बाद माँ पर हाथ उठाया तो यह हाथ सलामत नहीं रहेगा,' अधीर की आवाज में ऐसी दरिंदगी थी कि धीरेंद्र का नशा हिरन हो गया। वह कांपने लगा। उसने आज पहली बार वह डर महसूस किया जो उसका पिता भूशरण सालों से महसूस कर रहा था। बैठक के कोने में बैठा बूढ़ा भूशरण यह सब देख रहा था। उसकी धुंधली आँखों से आंसू बह निकले। उसने देखा कि समय ने खुद को दोहराया है। धीरेंद्र ने जो बोया था, आज वही फसल काट रहा था। भूशरण ने एक लंबी और ठंडी सांस ली और बुदबुदाया, 'परमात्मा! यह चक्र कब रुकेगा? काश मैंने शुरू में ही इसे सही रास्ता दिखाया होता, काश मैं इतना डरा हुआ बाप न होता।' बाहर अंधेरा गहरा रहा था और घर के अंदर 'जैसी करनी वैसी भरनी' का सत्य साक्षात खड़ा था।

पुस्तक समीक्षा

मन की अनवरत यात्रा का काव्य-संसार

समीक्षक

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

कविता वह विधा है जो मनुष्य के अंतर्मन की अनकही अनुभूतियों को शब्दों का स्पर्श देती है। जब कोई कवि जीवन के सामान्य अनुभवों में छिपे असाधारण भावों को सहज भाषा में अभिव्यक्त करता है, तब उसकी रचनाएँ सीधे पाठक के हृदय तक पहुँच जाती हैं। रविकांत राऊत एक ऐसे कवि हैं, जिनकी लेखनी जीवन के साधारण अनुभवों में भी असाधारण संवेदनाओं का स्पर्श खोज लेती है।

उनका कविता-संग्रह 'देह रुकी, मन बह चला' इसी संवेदनशील दृष्टि और सृजनात्मक परिपक्वता का सुंदर उदाहरण है। यह संग्रह केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की यात्रा का जीवंत दस्तावेज है। इस संग्रह में कुल 46 कविताएँ संकलित हैं। स्पर्श से पहले, ख्वाबों का मिलन, डर लगता है, पतझड़, स्त्री के मन की राहें, अनाम ख़त, सत्य के अँधेरे में खिलते गुलाब, समय का सच, आत्मज्ञान, बोधिवृक्ष, रौशनी और कुछ तो बात रही होगी जैसी रचनाएँ जीवन के विविध रंगों को बड़ी आत्मीयता से सामने लाती हैं। हर कविता अपने भीतर एक अलग भावलोक रचती है और पाठक को कुछ देर ठहरकर स्वयं से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल, सहज और प्रवाहपूर्ण भाषा है। कवि ने कहीं भी अनावश्यक शब्दाडंबर या कठिन प्रतीकों का सहारा नहीं लिया। यही कारण है कि साहित्य के नए पाठक भी इन कविताओं को बिना किसी कठिनाई के पढ़ और समझ सकते हैं। संग्रह की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि प्रत्येक कविता आकार में अपेक्षाकृत छोटी होते हुए भी अपने भीतर गहरे अर्थ समेटे हुए है। कवि कम शब्दों में अधिक कहने की कला जानते हैं। यही कारण है कि इन कविताओं को पढ़ते समय ऐसा लगता है मानो वे किसी और की नहीं, हमारे अपने जीवन की ही कहानी कह रही हों।

वास्तव में रविकांत राऊत का यह संग्रह संवेदनाओं, आत्मीयता और जीवन-दर्शन का सुंदर संगम है। इसकी सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यह पुस्तक पाठक के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती है और यह विश्वास जगाती है कि देह चाहे थम जाए, पर मन की यात्रा कभी नहीं रुकती।

कवि कॉर्नर

कविता

प्रो. ज्योति राज

तीन तिगाड़ा...

नहीं होती कायरों की कोई आवाज
न ही होते हैं उड़ने को कोई परवाज

बस रेंगते हैं जमीन पर मुँह ऊपर को उठा
कुढ़ते हैं उड़ते हुए बादल को देख
दिल पर लगा बैठते हैं दूसरों की दिलदारी

नहीं होती झूठों की कोई जमीन
न ही होते हैं उनकी झूठ के कोई पाँव

बस शर्मसार करते हैं सच को बारम्बार
उढ़ाते हैं सत्य को मिथ्यावादिता के आवरण
परोस कर लाते हैं बकबका मीठा सा बना कर

नहीं होती जिह्वाखोरों की कोई लगाम
न ही होते हैं कोई नियम क़ानून क़ायदे

बस फिसल जाती है जीभ मक्खनी मलाई सी
चटखारे लेने की जद में भूल जाते हैं तहज़ीब सारी
मुँह खोल बैहूदगी से चबाते हैं लाफ़्ज़ों की तरकारी

नहीं होती हजम इन तीनों से वफ़ादारी की खुराक
न ही होते हैं ये तंदुरुस्त खाकर भरोसे की बूटी
ये तिगड़ी नहीं ला पाती कोई बड़ा जलजला

इनका प्रभाव सीमित समय के लिए ज़रूर होता है
यही क्षणिक पोषण इन्हें ज़िंदा बनाए रखता है

कविता

डॉ. कमलेश मलिक

दरवाज़े पर ईगो की दस्तक

व्यंग्य

आसिम अनमोल

शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता?

मैं ईगो हूं। मुझसे भली भांति सब परिचित हैं ही। मैं जिधर से गुज़रता हूं। लोगों की दृष्टि झुककर सलाम करने के लिए व्याकुल हो जाती है। लोग रोटी कम खाते हैं। भय ज्यादा खाते हैं मुझसे। समाज के घिसे-पिटे नियम क़ायदों से मेरा कोई लेना-देना नहीं होता। यह सब आम जनमानस के लिए बने हैं। मुझे नैतिक शास्त्र से कोई मतलब नहीं।

मैं दबाव शास्त्र में विश्वास करता हूं। मेरी जिधर से राह गुज़र होती है। वो रास्ते कर्फ्यू में तब्दील हो जाते हैं। ईगो का अपना सोचना है कि हम जितने सरल मानसिकता के होंगे, समाज उतना ही मुझे निगलने का प्रयास करेगा। इसलिए हम कठोर बने रहने की अहम भूमिका निभाने में जी-जान से लगे रहते हैं। कोई हमें कोसे या मुझ पर लाख़ टिप्पणी करता रहे। मुझ पर कोई सामाजिक या आसामाजिक असर नहीं पड़ता। बल्कि मेरे ईगो में सकारात्मक इज़ाफ़ा होता है। ईगो का अपने परिचितों के यहां आना-जाना भी ईगो की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। एक रोज़ ईगो का अपने ख़ास परिचित के यहां जाना हुआ। ईगो दरवाज़े पर पहुंचकर बोला, दरवाज़ा खोलो मैं ईगो हूं। अरे, आप मेरे द्वार पर? विश्वास ही नहीं हो रहा। आइए आइए। परिचित ने आश्चर्य से दरवाजा खोलते हुए कहा। मूड तो नहीं हो रहा था, बस यूं ही चला आया। ईगो ने अपनी ईगो दिखाते हुए कहा। चलिए आप आ ही गये ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चाय बनवाता हूं आपके लिए, परिचित ने चाय ऑफर की। जैसे महंगाई आसमान छू रही है,वैसे ही ईगो का रेट बढ़ाते हुए कहा। नहीं, मैं चाय-वाय नहीं लेता। शुगर का ख्याल रखता हूं। बादाम-पिश्ते की दुद्धी पीकर आ रहा हूं। फल वगैरा भी जस्ट अभी खाए हैं। तुम्हारी चाय डियू रही, भविष्य में जरूर पीएंगे। कुर्सी पर बैठे हुए ईगो ने टांग पर टांग रखते हुए और सिगरेट को लाइटर से जलाते हुए अपनी ईगो में और चार चांद लगाये। आप शर्मा जी की बेटी की शादी के रिसेप्शन पर तो जाएंगे न ? पड़ोसी होने के नाते मैंने यूं ही पूछ लिया। पहली बात मेरे पास टाइम का झंझट बहुत है। दूसरी बात, शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता। ईगो ने अपने सम्मान के विपरीत न जाने की अपनी जन्मजात बीमारी का खुलासा किया। परिचित ने पूछा, यह बताइए कि आप इतना कम क्यों बोलते हैं? समाज अक्सर यदा-कदा आपके बारे में टिप्पणी करता रहता है। मैंने सहानुभूति जताते हुए ईगो से जुड़ने की कोशिश की। समाज को क्या पता मेरी मार्केट वैल्यू क्या है? किसी की तो है नहीं इसलिए किसी को अपनी परवाह क्यों हो भला। मुझे अपनी ईगो की टीआरपी बढ़ानी होती है। इसलिए इसमें खामोशी अख्तियार करना, गलतियां और सम्बन्ध बिगाड़ने जैसे बड़े-बड़े योगदान देने पड़ते हैं। इन सबमें कितनी मेहनत और कौशल छिपा होता है, ये गैर ईगो समाज क्या जाने। ईगो ने अपनी उच्च कोटि की गुणवत्ता का बखान करते हुए बड़े ही खूबसूरती से प्रकाश डाला। लेकिन सुनने में ये भी आता है कि आप भावनात्मक पहलू पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते? परिचित ने फिर कुरेदा। मेरी ईगो इतनी लचीली और कमजोर नहीं है, जो भावनाओं का शिकार होती फिरे। ईगो तो ईगो होती है। बिल्कुल सरकार की मानिद जैसा मन होता है वैसा करती है। उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। यहां तक कि कई बार ऐसा होता आया है कि पति-पत्नी के टूटते रिश्तों में भी ईगो ने अपनी महति भूमिका निभाई है।

कुछ हटकर

यूएक्स डिजाइन : युवाओं में शानदार करियर विकल्प

सेंट्रल डेस्क

करियर

डिजिटल युग में लगभग हर काम मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से होने लगा है। चाहे ऑनलाइन खरीदारी हो, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं या सरकारी योजनाएं, हर जगह उपयोगकर्ताओं को आसान और बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि यूएक्स (यूजर एक्सपीरियंस) डिजाइन आज सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो गया है। इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डिजिटल उत्पादों को उपयोगकर्ता के लिए सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बना सकें। यूएक्स का पूरा नाम यूजर एक्सपीरियंस है।

इसका अर्थ है किसी वेबसाइट, मोबाइल एप या डिजिटल उत्पाद का उपयोग करते समय उपयोगकर्ता को कैसा अनुभव होता है। यूएक्स डिजाइनर का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के अपना काम आसानी से पूरा कर सके।

विशेषज्ञताएं

यूएक्स डिजाइनर केवल स्क्रीन को आकर्षक बनाने का काम नहीं करता, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और व्यवहार को समझकर पूरे उत्पाद को बेहतर बनाता है। उसके प्रमुख कार्य हैं।- उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करना।

- वेबसाइट या एप का प्रारंभिक खाका (वायरफ्रेम) तैयार करना।
- प्रोटोटाइप बनाकर उसकी जांच करना।
- उपयोगकर्ताओं से फीडबैक लेकर सुधार करना।
- डेवलपर्स और यूआई डिजाइनरों के साथ मिलकर अंतिम उत्पाद तैयार करना।

आवश्यक कौशल

- रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता
- उपयोगकर्ता व्यवहार को समझने की योग्यता-संचार कौशल
- डिजाइन थिंकिंग-फिग्मा, एडोबी एक्सडी जैसे डिजाइन टूल्स की जानकारी
- टीम में काम करने की क्षमता

प्रमुख सरकारी संस्थान

- प्रमुख सरकारी संस्थान-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) – अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु, भोपाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न परिसरों में डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे
- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर (आईडीसी) में यूजर एक्सपीरियंस और इंटरैक्शन डिजाइन से संबंधित कार्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी– डिजाइन विभाग में यूजर-केंद्रित डिजाइन शिक्षा।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)– डिजिटल और इंटरैक्शन डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।

कितना मिलता है वेतन

- फ्रेशर: लगभग 4 से 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष-2 से 5 वर्ष का अनुभव : 8 से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष-अनुभवी यूएक्स डिजाइनर:
- 20 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।
- भविष्य उज्ज्वल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार के साथ यूएक्स डिजाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सबसे अधिक अवसर देने वाले करियर विकल्पों में शामिल रहेगा।

पावस की सौगात

बीते दिनों के उदासीन बादल
गहरी उमस से उलझने लगे हैं

शोर मचा है बाहर भीतर
जब से पावस ऋतु है आई
प्रतीक्षारत थीं कब से आंखें
प्यासी धरा ने ली अंगड़ाई

जतन से ढके थे अंगार हमने
पवन की छुवन से सुलगने लगे हैं

माटी ने सोंधी खुशबू बिखेरी
भंवरों ने छेड़ा राग सुहाना
फूलों से मिलकर मकरंद लेने
तितली ने ढूंढा सुंदर बहाना

विधना की रचना कितनी निराली
हम भी कुछ कुछ समझने लगे हैं

वर्षा की बूंदे बरसें छमाछम
चातक रटे है पीहू- पीहू
नाचे मयूरा मदमस्त होकर
कोयल भी गाये कुहू- कुहू

बारिश ने पुलकित किया सृष्टितन
उपवन के अवयव संवरने लगे हैं

चंपा-चमेली, गुड़हल की लाली
बोलो तुम्हें क्या सौगात दे दें
आंसू के जल से गीला आंचल
बस अंजलि भर बरसात दे दें

अंतरघट में सहेजे हुए जो
उद्गार भी अब छलकने लगे हैं

मोटिवेशनल

भीतर की जीत से शुरू होता है नई राहों का सफर

आज का युवा जीवन अपने जीवन का सबसे परिवर्तनशील दौर जी रहा है। एक ओर अनगिनत अवसर सामने हैं, तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता का दबाव। हर दूसरे कदम पर तुलना, सोशल-मीडिया की चमक, और "तुरंत सफलता" का प्रलोभन युवाओं को भीतर से थका देता है। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि नई राहों का सफर बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि भीतर की मानसिक शक्तियों से शुरू होता है। सफलता का असली रथ 'प्रतिभा' नहीं, बल्कि दृढ़ता, निरंतरता एवं धैर्य है। हमारी पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अवसर कम हैं, बल्कि यह है कि मन बिखरा हुआ है। कई बार युवा अपने हुनर या सपने से पहले ही हार मान लेते हैं, सिर्फ़ इसलिए कि उन्हें लगता है कि राह कठिन है। जबकि सच यह है कि हर कठिन राह के पीछे किसी बड़ी जीत की संभावना छिपी होती है। दुनिया का हर सफल इंसान पहले असफल व्यक्ति रहा है जो डटा रहा, टिका रहा और सीखता रहा। आज तकनीक ने नई दिशाएँ खोली हैं। कौशल सीखना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। आज एक मोबाइल फोन से हजारों कोर्स, मार्गदर्शन और प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन सब कुछ उपलब्ध होने के बावजूद बहुत से युवा आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? क्योंकि व्यक्ति तभी बढ़ता है, जब उसके अंदर 'स्व-अनुशासन' पैदा होता है। परिस्थितियाँ नहीं, मानसिकता रास्ता तय करती है। जो व्यक्ति खुद को बदलने का साहस जुटा लेता है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती। हर कौशल, हर करियर और हर मंजिल की शुरुआत एक छोटे से कदम से होती है और वह कदम है आत्मप्रेरणा। कोई भी बाहरी शक्ति उतना बड़ा फर्क नहीं ला सकती, जितना फर्क आपका अपना मन, अपनी सोच और अपनी निरंतरता ला सकती है। यही कारण है कि आज के समय में सबसे बड़ा निवेश "डिग्री" नहीं बल्कि सीखने की आदत, काम के प्रति अनुशासन और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। जो युवा इन तीन चीजों को साध लेता है, वह किसी भी नौकरी, किसी भी उद्योग, किसी भी परीक्षा में अपना स्थान बना सकता है। युवाओं को बस यह याद रखना चाहिए कि सपने तभी पूरे होते हैं, जब हम उनके लिए भीतर से तैयार हों। जीत वहीं लिखी जाती है, जहां मन हिम्मत नहीं छोड़ता। नई राहों के अवसर पहले से अधिक हैं, बस कदम बढ़ाने की जरूरत है।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

लघु कथा

किरकिरी

विश्वविद्यालय में जल दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से लौटते हुए राहुल के शब्दों में बेचैनी थी।

'बचपन से सुन रहे हैं— गरीबी हटाओ, जल बचाओ, विकास लाओ। हर साल बाढ़ आती है, हर गर्मी में पानी का संकट खड़ा हो जाता है। बदलता क्या है? बस सरकारी रिपोर्टों के आँकड़े।'

रमेश ने कहा, 'समस्या केवल बारिश की नहीं, व्यवस्था की है।'

बात वहीं खत्म नहीं हुई।

अगले सप्ताह सोलह जागरूक छात्रों ने एक समूह बनाया। शहर के सोलह मोहल्ले चुने। उन्होंने तय किया कि शिकायत नहीं, शुरुआत करेंगे। घर-घर गए, लोगों को समझाया कि शहर को लंदन बनाने से पहले शहर को अपने ही देश की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो के ड्रेनेज सिस्टम जैसी बेहतरीन व्यवस्था अपनाने की जरूरत है। साथ ही पिन्नियों,प्लास्टिक को टाटा बाय करने की जरूरत है; जिससे जल का प्राकृतिक बहाव बना रहे।

नील मणि

कहानीकार

जल निकासी व्यवस्था और जल संरक्षण व्यवस्था सुचारू करने के लिए घर व छतों का जल पाइपों से पार्कों और रिचार्ज गड्ढों तक पहुँचाया जाए। छात्रों ने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया; निवासियों को विश्वास में लिया और साथ में निवासियों का अनुभव भी जोड़ा। छात्रों ने वर्षा जल संचयन विशेषज्ञ को भी साथ लिया।

कुछ महीनों बाद मानसून आया।

इस बार वही मोहल्ले पानी में नहीं डूबे। हैंड-पंपों का जल-स्तर ऊपर आया। पार्क हरे थे, गलियाँ सूखी थीं।

स्थानीय अख़बार ने शीर्षक छापा—

'जहाँ सरकार नहीं पहुँची, वहाँ छात्रों ने व्यवस्था को पहुँचा दिया।'

शैतानी वर्ग के बड़े ठेकेदारों और व्यापारियों के कान खड़े हो गए और वह छात्र समूह शैतान वर्ग की आँखों की किरकिरी बन गया।

कारगिल के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

■ युद्ध स्मारक पर पौधरोपण कर वीर जवानों के बलिदान को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

क्राइम कंट्रोल एंड ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन की ओर से शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सोनीपत स्थित युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर राजीव जैन ने भाग लिया। उन्होंने पुष्प अर्पित करने के साथ पौधरोपण भी किया और कहा कि भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए ऐतिहासिक विजय हासिल की थी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने कहा कि देश के सैनिक अपने प्राणों की परवाह किए बिना सीमाओं की रक्षा करते हैं। कारगिल युद्ध में 527 जवान शहीद हुए और करीब 1400 सैनिक घायल हुए थे। कार्यक्रम में 12 बटालियन बीएनएस एनसीसी जीवीएम कॉलेज के कैडेटों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला सैनिक बोर्ड के वेलफेयर ऑफिसर संदीप मलिक, राकेश आंतिल, राजेश दहिया, रमेश कुमार सैनी (सूबेदार मेजर), अनिल कुमार (हवलदार), पूर्व सैनिक मुकेश मलिक, नरजीत खत्री, कमांडो रविंद्र कुमार, संदीप कुमार, सरिता पांचाल, निमिषा कौशिक, उषा राजपूत, तुषार, पवन कुमार, लेफ्टिनेंट प्रियंका, स्नेहलता सहित अनेक पूर्व सैनिक एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सोनीपत। पौधरोपण करते हुए मेयर राजीव जैन साथ में अन्य। फोटो : हरिभूमि

महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में कार्यक्रम मनाया

गोहाना। रविवार को सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में कारगिल का 27वां विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में नागरिकों ने कारगिल के शहीदों को याद करते हुए नमन किया। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा 26 जुलाई 1999 का वह दिन है जो भारत के इतिहास में भारतीय सेना ने एक अमिट अध्याय जोड़ा था। 1999 में पाकिस्तान सेना और घुसपैठियों ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया था जो भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय चलाकर लगभग 60 दिनों में दुश्मन को बुरी तरह हराकर कारगिल पर विजय प्राप्त की थी। यह केवल एक सैन्य जीत नहीं थी बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस, अनुशासन, पराक्रम और बलिदान की वह गौरव गाथा थी जिसे भारतवासी कभी भूल नहीं सकते। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूतपूर्व सैनिक रणधीर राठी ने की। उन्होंने कहा यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र की रक्षा सर्वापरि है। इस युद्ध में हमारे 527 जवान शहीद हुए थे और 1300 जवान घायल हुए थे। इस मौके पर सुरेश पंवार, सरवर पांचाल, रतन सिंह शर्मा, हवा सिंह, राममेहर नरवाल, कमला देवी, पुष्पा देवी, सुरेश धीमान व ऋतिक दांगी उपस्थित रहे।

गोहाना। देशभक्ति पर समूहगान की प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने देशभक्ति समूहगान से दर्शकों को किया ओतप्रोत

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना में कारगिल विजय दिवस एवं माता-पिता दिवस पर अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 303 अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत समूहगान प्रस्तुति से कारगिल शहीदों को नमन करते हुए दर्शकों के मन को खूब लुभाया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षक और विद्यार्थियों द्वारा कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पण के साथ किया गया। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। उन्होंने विद्या भारती द्वारा निर्धारित जीवन व्यवहार के दस संस्कार बिंदुओं—मातृ-भू वंदना, ईश वंदना, ध्यान, स्वाध्याय, मंत्र सहित भोजन, गीत-संगीत, पर्यावरण संरक्षण, सृजनात्मक कार्य, गो सेवा तथा माता-पिता का अभिवादन को परिवार में अपनाने का आग्रह किया। शिशु वाटिका प्रमुख सुनीता वर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। शिक्षिका रेखा सांगवान ने अंग्रेजी शब्द-श्रृंखला गतिविधि का संचालन किया। संचालन शिक्षिका संयोगिता शर्मा और अंजू शर्मा ने किया।

चम्पा, अर्जुन, नीम व जंगली जलेबी के 110 पौधे रोपे

■ नवरोपित पौधों को पशु नुकसान न पहुंचाएं इसके लिए उनको ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को चम्पा, अर्जुन, नीम और जंगली जलेबी के 110 पौधे रोपे। पौधरोपण संगठन द्वारा गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत सोनीपत मार्ग पर किया गया। नवरोपित पौधों को पशु नुकसान न पहुंचाएं इसके लिए उनको ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया। संगठन की टीम द्वारा नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की गई। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा, सदस्य मनोज कुमार, हरीश पांचाल, डॉ. बिजेंद्र, अभिमन्यु शर्मा, सुनील, निरंजन, बृजेश, साहिल, बलजीत जांगड़ा और देवेंद्र जांगड़ा ने नागरिकों से अपील की कि वे गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और पेड़ बनने तक उसकी देखभाल की जिम्मेवारी भी लें।

गोहाना। पौधरोपण करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जिला स्तरीय बैठक में समाज की एकजुटता पर मंथन

गोहाना। जाट आरक्षण संघर्ष समिति की बैठक गोहाना-पानीपत-रोहतक हाईवे स्थित भैंसवान चौक पर आयोजित हुई। समिति के प्रदेश महासचिव प्रधान रणबीर मलिक के संयोजन में इस बैठक की अध्यक्षता बुटाना बारह के पूर्व प्रधान मास्टर आजाद सांगवान ने की। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष रामकुमार पूनिया ने वित्तीय समिति के सदस्य जिला प्रधान कर्मवीर घणघस, नंबरदार बिजेंद्र मलिक, जिला ट्रस्टी कोच रणबीर सिंह चहल, समाजसेवी श्री सुरेंद्र लठवाल, श्री दलशेर देशवाल गंगाना एवं रणबीर सिंह मलिक के समक्ष जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान लाठ-जौली चौक धरने से संबंधित बकाया राशि एवं आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इसके उपरांत समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं आपसी भाईचारे की मजबूती को लेकर संकल्प दोहराया गया। बैठक में दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे विद्यार्थियों के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया। जाट सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरज्ञान मलिक ने चौ. छोटूराम धाम की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ईश्वर सिंह, हरिचंद मलिक, रमेश मलिक, दिलबाग मलिक, सरपंच सुनील, रमेश नसीर, जगबीर मलिक, जाट धर्मशाला गोहाना के प्रधान संजय दूहन, वेदपाल मान, रामकिशन कुंडू, रणबीर हुड्डा, आजाद लठवाल, कप्तान चहल, मास्टर हिम्मत सिंह, सुभाष दहिया व धर्मबीर खत्री सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

भगवान दक्ष प्रजापति का जीवन कर्तव्य, सेवा और लोककल्याण का प्रतीक

गन्नौर। शहर की छोटी मंडी स्थित प्रजापति धर्मशाला में रविवार को भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र कादियान ने भगवान दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रजापति समाज के बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 40 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि जादूगर सम्राट ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। समारोह की शुरुआत हवन-यज्ञ से हुई। अध्यक्षता कमेटी अध्यक्ष रणबीर सिंह चिरस्मी ने की। विधायक कादियान ने कहा कि भगवान दक्ष प्रजापति का जीवन कर्तव्य, सेवा और लोककल्याण का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा, संस्कार, सामाजिक समरसता और भाईचारे को समाज की मजबूती का आधार बताते हुए युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा और खेलों में आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह के दौरान भंडारे का आयोजन भी किया गया। अंत में आयोजकों ने विधायक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संरक्षक रामफूल, सुभाष, रामसिंह, बलबीर, बिजेंद्र सिंह, सुखबीर प्रजापत, प्रेमचंद ठेकेदार, रामगोपाल, मास्टर ओमप्रकाश सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंत्योदय मेले में योजनाओं, स्वरोजगार ऋण सुविधाओं की दी जानकारी

खरखौदा। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना 2.0 के तहत राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित अंत्योदय मेले में विधायक पवन खरखौदा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया भी उपस्थित रहीं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र परिवार तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना-2.0 के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वरोजगार, कौशल विकास, रोजगार, ऋण सुविधाओं तथा आयवर्धक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। विधायक पवन ने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से अंत्योदय मेलों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर विधायक पवन खरखौदा ने जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया के साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। अंत्योदय मेले में बड़ी संख्या में पात्र परिवारों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों के स्टॉलों से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा पात्रता के अनुसार आवेदन एवं परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। मेले का उद्देश्य पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाना रहा। इस अवसर पर एसडीएम अमित भारद्वाज, ब्लॉक समिति चेयरमैन सतेंद्र दहिया, पूर्व ब्लॉक समिति चेयरमैन राजवीर दहिया, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) सुनीता, जिला बाल कल्याण अधिकारी आरती बल्हारा तथा बीडीपीओ सुरेंद्र आर्य उपस्थित रहे।

ब्राइट स्कॉलर स्कूल में गणित शिक्षण पर कार्यशाला

■ कार्यशाला का उद्देश्य विषय को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से पढ़ाने के उपाय साझा करना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोनीपत में सीबीएसई के तत्वावधान में 'मैथमेटिक्स' विषय पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 25 व 26 जुलाई को आयोजित इस कार्यशाला का संचालन जिला प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. किरण दलाल के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन राजिंदर कौर और सुश्री रिचा जैन ने शिक्षकों को गणित शिक्षण की नवीन तकनीकों, प्रभावी मूल्यांकन पद्धतियों तथा कक्षा शिक्षण की व्यवहारिक रणनीतियों की जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों और विद्यार्थियों में गणित की बुनियादी अवधारणाओं की समझ को मजबूत करना तथा विषय को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से पढ़ाने के उपाय साझा करना रहा। विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं और व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने गणित के सिद्धांतों, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा समस्या समाधान की आधुनिक विधियों पर विस्तार से चर्चा की। दो दिवसीय कार्यक्रम में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाई। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सीबीएसई और डॉ. किरण का आभार व्यक्त किया।

सोनीपत। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

मनोदेव इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित की गई स्लोगन उच्चारण प्रतियोगिता

खरखौदा। मनोदेव इंटरनेशनल स्कूल, पिपली में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को स्लोगन उच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत स्लोगन प्रस्तुत किए। जीवांश, शौर्य, पूर्वी, नित्यम, रिया, हिमांश, अवनी, रिद्धम, यश्वी एवं डिम्पल ने अपनी अपनी कक्षा में बाजी मारी। विद्यालय की संचालिका सुनीता देवी ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए देशभक्ति एवं अनुशासन का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम एवं वीर सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था।

खरखौदा। विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए संचालिका सुनीता देवी। फोटो : हरिभूमि

कर्तव्यनिष्ठा व सेवा भाव से निभाई जिम्मेदारी

रोडवेज परिचालक नरेंद्र पहल को भावभीनी विदाई

गन्नौर। गांव आहुलाना निवासी नरेंद्र पहल के सेवानिवृत्त कार्यक्रम में सम्मान करते हुए स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

हरियाणा रोडवेज पानीपत में परिचालक के पद पर कार्यरत गांव आहुलाना निवासी एवं पूर्व सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र पहल के सेवानिवृत्त होने पर शनिवार को भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रोडवेज वर्कशॉप मैनेजर रमेश देशवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर नरेंद्र पहल के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रोडवेज के अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक गणमान्य व्यक्ति , ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। रमेश देशवाल ने कहा कि नरेंद्र पहल ने अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। किसी भी कर्मचारी की सबसे बड़ी पहचान उसका कार्य और व्यवहार होता है तथा नरेंद्र पहल ने दोनों ही क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। सेवानिवृत्त नरेंद्र पहल ने कहा कि उन्हें विभाग में कार्य करते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान मिले अनुभव और साथियों का स्नेह जीवनभर उनके साथ रहेगा।

नहर में कूदकर बच्चों की जान बचाने पर मिला था राज्यपाल सम्मान

आहुलाना निवासी नरेंद्र पहल ने वर्ष 2006 में खेड़ी गुज्जर स्थित सतकुम्भा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की बस पश्चिमी यमुना नहर में गिरने पर अपनी जान की परवाह किए बिना नहर में छलांग लगाकर कई स्कूली बच्चों की जान बचाई थी। उन्होंने मृत बच्चों के शव बाहर निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। उनके इस अदम्य साहस और बहादुरी के लिए उन्हें 15 अगस्त 2006 को झज्जर में आयोजित राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में तत्कालीन महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया था।

कथूरा खंडस्तरीय कल्चरल फेस्ट धूमधाम से संपन्न, संस्कृति की मजबूती का संदेश दिया

नाटक में राजकीय विद्यालय मदीना की टीम रही प्रथम

विद्यार्थियों ने समूह एवं एकल लोक नृत्य, रागिनी और स्किट गतिविधियों में अपनी प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शैक्षणिक खंड कथूरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनवासा में खंड स्तरीय कल्चरल फेस्ट धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से संस्कृति की मजबूती का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया और विशिष्ट अतिथि डिप्टी डीईओ सरिता रहीं। नोडल ऑफिसर सुनीता दुल रहीं। अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी लवल किशोर ने की और संयोजन प्राचार्य मुकेश नरवाल का रहा। संचालन संस्कृत प्रवक्ता सतनारायण वशिष्ठ, अनीता, गीता, देवेंद्र और सुनील ने किया। इस कार्यक्रम में खंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा पांचवीं से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने समूह एवं एकल लोक नृत्य, रागिनी और स्किट गतिविधियों में अपनी प्रस्तुति दी। नाटक में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मदीना जबकि समूह लोक नृत्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनवासा और रागिनी में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भैंसवान खुर्द की टीम प्रथम रही। निर्णायक मंडल में ज्योति, रामेश्वरी देवी, कृष्ण हुड्डा और सुरेंद्र शामिल रहे। इस आयोजन में मेजबान विद्यालय के प्राचार्य मुकेश नरवाल के साथ सतीश, सूरज प्रकाश, सुरेंद्र, पूनम, देवेंद्र सहित अन्य शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

गोहाना। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी अतिथियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला 28 को करेंगी खरखौदा क्षेत्र का दौरा

खरखौदा। इनेलो पार्टी की महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला 28 जुलाई को विधानसभा खरखौदा के विभिन्न गांवों का दौरा करेंगी। इस दौरान वे पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की जयंती पर होने वाली सम्मान दिवस रैली का निमंत्रण ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं को देंगी। साथ ही अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंचने का आह्वान करेंगी। उनका गांव रामपुर कुण्डल, खांडा, ककरोई आदि गांवों में दौरा प्रस्तावित है। इनेलो की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य अशोक राणा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि जननायक चौधरी देवीलाल की सम्मान दिवस रैली को लेकर कार्यकर्ताओं और आम जनता में भारी उत्साह है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में नूंह पहुंचकर आयोजन को सफल बनाएं तथा जननायक चौधरी देवीलाल के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में अपना योगदान दें।

कैबिनेट मंत्री ने प्रो. शमशेर भंडेरी के निवास पर सुना पीएम का कार्यक्रम

140 करोड़ भारतीयों को एकता सूत्र में पिरोने का जनआंदोलन बना 'मन की बात' : डॉ. अरविंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रविवार को शहर के सेक्टर-7 स्थित प्रो. शमशेर भंडेरी के निवास पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें संस्करण को सुना।

मंत्री ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में पिरोने वाला जनआंदोलन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के अनदेखे नायकों, नवाचारों, सेवा कार्यों और जनभागीदारी के प्रेरक उदाहरणों को देश के सामने लाकर प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत और जनसेवा के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हर नागरिक को अपने सामाजिक दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेशों की वास्तविक भावना है।

गोहाना। मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, साथ में प्रो. शमशेर भंडेरी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

'मन की बात' जन-जन को जोड़ने वाला मंच : बड़ौली

सोनीपत। हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज के चेयरमैन एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को सोनीपत स्थित अपने कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 136वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के बाद उन्होंने कहा कि 'मन की बात' आज देश को सकारात्मक सोच, सेवा, स्वावलंबन, संस्कार और जनभागीदारी से जोड़ने वाला राष्ट्रीय प्रेरणा मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के प्रेरणादायी कार्यों को सामने लाकर सामूहिक प्रयासों की ताकत को मजबूत करते हैं। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत, स्वच्छता और जल संचयन जैसे विषयों पर जनभागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला महामंत्री तरुण देवीदास, अरुण चौहान, माईराम कौशिक, सागर चौपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएम ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि : मदान

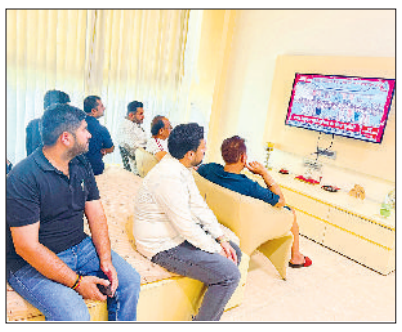

सोनीपत। विधायक निखिल मदान ने रविवार को अपने आवास पर परिजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 136वां संस्करण सुना। इस अवसर पर उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। विधायक निखिल मदान ने कहा कि कारगिल की दुर्गम चोटियों और विपरीत परिस्थितियों में भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण को जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने इसे पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने वाला प्रयास बताया।

विधायक गहलावत ने कार्यकर्ताओं का बढ़ाया उत्साह

गन्नौर। राई की विधायक कृष्णा गहलावत ने रविवार को गांव खेड़ी मनजात के बूथ संख्या 198 एवं 199 पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचारों को जनभागीदारी, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक दायित्वों के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कार्यकर्ताओं से उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। विधायक ने सतगुरु कबीर साहेब फाउंडेशन, गढ़ी बिंदरौली द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर पौधे लगाए तथा आश्रम परिसर में नवनिर्मित टीन शेड का उद्घाटन किया। बाद में विधायक कृष्णा गहलावत गांव खेड़ी मनजात स्थित शिव मंदिर में आयोजित भंडारे में पहुंचीं। इस अवसर पर ओएसडी वीरेंद्र दहिया, पूर्व चेयरमैन कुलदीप नागल, मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, गुलाब, बिजेंद्र, मीनू, राजबीर, पूर्व प्रधान जग्गू सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

पॉक्सो अधिनियम व यौन उत्पीड़न से बचाव के विषय पर किया जागरूक

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को विद्यार्थियों के लिए पॉक्सो अधिनियम-2012 एवं यौन उत्पीड़न से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के प्रति जागरूक बनाना रहा। मुख्य वक्ता सुश्री शिखा ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की पहचान, यौन उत्पीड़न से बचाव के उपाय तथा किसी भी अनुचित घटना की सूचना तुरंत अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सुश्री नीलम दहिया ने किया। विद्यालय निदेशक अजय यादव ने कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सुरक्षा को लेकर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। स्कूल के शिक्षक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे ।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 45 यूनिट रक्त किया एकत्रित

गन्नौर । एम.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सरढाना में भारत विकास परिषद, वीर सावरकर शाखा गन्नौर एवं के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रोटरी ब्लड बैंक की टीम ने 45 यूनिट रक्तदान किया। स्कूल के निदेशक जोगेंद्र मलिक ने परिषद के पदाधिकारी का स्कूल पहुंचने पर स्वागत किया। चेयरमैन जोगिंदर मालिक ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज की जान बचा सकता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर में जैन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार, संस्कृति मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य जगबीर देशवाल, यूनिक पब्लिक स्कूल के निदेशक अजय भुक्कर नवीन कुमार ने स्वयं रक्तदान कर अन्य लोगों को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रवीण सिंघल, पूनम सिंघल, अजय यादव, डॉ. अश्विनी कुमार, पवन जिंदल, डॉ. जोगिंदर शर्मा, रविंदर सिंह, गुलशन गुजराल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अलंकरण समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नाटक किए प्रस्तुत

गन्नौर । बड़ी स्थित अपोलो इंटरनेशनल स्कूल में कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर विद्यार्थी अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर कारगिल के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा, मनोज पांडे और अनुज नायर को श्रद्धांजलि दी। समारोह के दौरान छात्र परिषद का गठन किया गया और हेड ब्वाय, हेड गर्ल तथा विभिन्न सदनों के हाउस कैप्टन, सांस्कृतिक, खेल और अनुशासन कप्तानों को पदभार सौंपा गया। प्राचार्या अनीता यादव और व्यवस्थापक राजीव मिश्रा ने विद्यार्थियों को बैज पहनाकर उनके दायित्वों से अवगत कराया। नवनियुक्त छात्र-छात्राओं ने जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की शपथ ली। कार्यक्रम में अभिभावक और शिक्षक मौजूद रहे।

पूरण मूर्ति विद्यापीठ में प्रशिक्षण कार्यक्रम

जमघट पंचायतों को सशक्त बनाने पर मंथन, पांच सदस्य किए घोषित

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत करते हुए विजयपाल नैन एवं अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कामी स्थित पूरण मूर्ति विद्यापीठ में जमघट पंचायत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जमघट पंचायतों को अधिक प्रभावी, संगठित और समाजहित में सक्रिय बनाना था। अध्यक्षता रिटायर्ड कमांडर संतोषपाल मलिक ने की। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता, सेवा, पारदर्शिता और अनुशासन से ही गांवों का समग्र विकास संभव है। मुख्य वक्ता डॉ. विवेक मलिक ने कहा कि समाज को संगठित रखने के लिए शिक्षा, तकनीक और नवाचार को अपनाना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी, डिजिटल तकनीकों के उपयोग तथा शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों को अपनाने का आह्वान किया। डॉ. योगेंद्र मलिक ने कहा कि जमघट पंचायत समाज को जोड़ने और नई दिशा देने का सशक्त मंच है तथा सकारात्मक सोच और नवाचार से अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान संभव है। इस दौरान सोनीपत जमघट पंचायत के पांच सदस्यों की घोषणा की गई, जिनमें रिटायर्ड कमांडर संतोषपाल मलिक, नवीन सहारण, वीरेंद्र छेत्री, कुलवंत मलिक तथा डॉ. विजयपाल नैन शामिल हैं। अंत में प्रतिभागियों ने सामाजिक एकता, शिक्षा, नवाचार और जनसेवा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

नई जिम्मेदारी पर मोहनलाल बड़ौली को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक ने कार्यकर्ताओं संग किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

हरियाणा प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (एचबीपीई) के नवनियुक्त चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली से मार्किट कमेटी के वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक व कार्यकर्ताओं ने नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दीं। योगेश कौशिक ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मोहनलाल बड़ौली ने संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सदैव संगठन को सर्वोपरि रखते कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि

मोहनलाल बड़ौली हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज के चेयरमैन के रूप में भी नई उपलब्धियां हासिल करेंगे। इस अवसर पर गन्नौर फूड एंड ग्रेन संगठन के सचिव अनिल कौशिक, भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश कौशिक, बेगा गांव के सरपंच सुरेंद्र शर्मा, सोनीपत मार्केट कमेटी के अध्यक्ष अरुण चौहान, अशोक शर्मा आदि रहे।

खरखौदा के रुद्र का प्रदेश नेटबॉल टीम में चयन

खरखौदा। होनहार खिलाड़ी रूद्र का स्कूली खेल के तहत हरियाणा टीम में चयन हुआ है। रोज वैली स्कूल, सोनीपत में आयोजित बॉयज वर्ग की खेल प्रतियोगिता में रूद्र का शानदार प्रदर्शन रहा है। जिसके आधार पर रूद्र का चयन हरियाणा स्कूली खेल की अंडर -14 नेटबॉल टीम में हुआ है। इस अवसर पर विधायक पवन खरखौदा के साथ रमेश स्वामी, मंजीत, अजीत स्वामी मौजूद रहे।

दृढ़ संकल्प से परिस्थितियां भी बन जाती हैं अवसर : जगदीश

गोहाना। युवा समाज व राष्ट्र के कर्णधार हैं। अपने परिवार, समाज व राष्ट्र की मजबूती के लिए वे दृढ़ संकल्प के साथ मेहनत करें। अगर जीवन में कभी असफलता का सामना करना पड़े तो यह लक्ष्य का अंत नहीं है अपितु आगे बढ़ने का अवसर मात्र है। दृढ़ संकल्प से परिस्थितियों को भी अवसर में बदला जा सकता है। युवाओं को यह प्रेरणा शारीरिक शिक्षक संघ हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश भावड़ ने दी। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि जो युवा सच्ची लग्न और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं वे एक दिन अवश्य सफल होते हैं। मेहनती युवाओं को अपनी मंजिल के रास्ते में विकट परिस्थितियों का सामना तो करना पड़ सकता है और कई बार विफलता भी हाथ लग सकती है। लेकिन विफल होना लक्ष्य का अंत नहीं है अपितु इससे हमें गलतियों को सुधारने और बेहतर रणनीति के साथ आगे बढ़ने का मौका मिलता है। जगदीश भावड़ ने कहा कि अगर मन कमजोर हो तो परिस्थितियां समस्याएं बन जाती हैं। अगर मन संतुलित हो तो परिस्थितियां चुनौतियां बन जाती हैं और यदि मन में दृढ़ संकल्प की भावना हो तो परिस्थितियां अवसर में बदल जाती हैं।

एसबीआई में 'पेंशन समाधान पखवाड़ा' मनाया

सोनीपत। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा, सोनीपत में पेंशन समाधान पखवाड़ा का आयोजन सहायक महाप्रबंधक नरेंद्र सिंह एवं मुख्य प्रबंधक प्रियंका वालिया के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान पेंशनभोगियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों और बैंकिंग सेवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने पेंशन संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाते हुए ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पेंशन ऋण, डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस तथा एसबीआई जनरल इंश्योरेंस सहित बैंक के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों को सहज, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना, उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना तथा ग्राहक संतुष्टि को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा।

सांस्कृतिक उत्सव में कलाकारों ने मचाया कला का धमाल

गोहाना। गांव बुटाना स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव: 2026 आयोजित किया गया। अध्यक्षता कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी रामतीर्थ हुड्डा ने की। मेजबान विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार की देखरेख में आयोजित इस समारोह में कलाकारों ने अपनी कला के उत्कृष्ट प्रदर्शन से जमकर तालियां बटोरीं। समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सोनीपत नवीन गुलिया थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप जिला शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल ने शिरकत की। संयोजन सांस्कृतिक उत्सव जिला को-ऑर्डिनेटर सुनीता दुल का रहा। संचालन में डीपी सत्यवान कुंडू और जयपाल लाठर ने किया। समारोह में कलाकारों ने समूह लोक नृत्य, एकल लोक नृत्य, रागिनी और स्किट में कला प्रतिभा की छठा बिखेरी। समूह व एकल लोक नृत्य में मेजबान विद्यालय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुटाना प्रथम रहा। रागिनी में कक्षा 5वीं से कक्षा 8वीं के वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महमूदपुर एवं कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक के वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खुसाना प्रथम रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

रविन्द्र उर्फ भोला पहलवान को कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने के उपलक्ष्य में हुए सम्मान समारोह में पहुंचे सांसद

लोकतंत्र में लाठियों से नहीं, संवाद से हो समाधान : हुड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

रविन्द्र उर्फ भोला पहलवान को कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में शिरकत करने सांसद दीपेन्द्र हुड्डा फरमाना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा आधी जीत है। शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव होने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आंदोलनरत बच्चों को लाठियों से पीटा, आंसू गैस के गोले मारकर तानाशाही और अत्याचार की सारी हदें पार कर दी। संसद मार्च के दौरान देश के नौजवान छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज अंग्रेजी साम्राज्य के दौरान भारतीयों पर होने वाले अत्याचारों की याद दिला रहा था। लोकतंत्र में लाठियों से नहीं संवाद से समाधान होना चाहिए। कांग्रेस सरकार के 10 साल के कार्यकाल में कभी भी एक लाठी नहीं चली। दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा में पेपर लीक घोटाले की बात करते हुए कहा कि देश में सबसे ज्यादा पेपर लीक हरियाणा में हुए हैं।

पेपर लीक मामले में एचपीएससी चेयरमैन के इस्तीफे की भी मांग

खरखौदा। जनसमूह को संबोधित करते सांसद दीपेंद्र हुड्डा।

जारी रहेगा संघर्ष

पेपर लीक के मामले में हरियाणा पूरे देश में नंबर 1 बन गया है। हरियाणा की सरकार खर्चा-पर्चा सरकार है। यानी खर्चा करो पर्चा आउट कराओ। एचपीएससी के दफ्तर में करोडों रुपये की बरामदगी हुई। एचपीएससी, एचएसएससी में परचून की दुकान की तरह नौकरियों की रेट लिस्ट मिली। जब नीट पेपर लीक होने पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे सकते हैं। तो हरियाणा एचपीएससी के पेपर लीक के लिए एचपीएससी चेयरमैन इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे। उन्होंने मांग की है कि हरियाणा एचपीएससी के चेयरमैन इस्तीफा दें और मुख्यमंत्री प्रदेश में पेपर लीक घोटाले की जिम्मेदारी लें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश के युवाओं का भविष्य चौपट कर दिया। रोजगार समाप्त हो गया। आज हर वर्ग इस सरकार से सवाल पूछ रहा है। बीजेपी सरकार जंतर-मंतर पर आंदोलनरत बच्चों पर जुल्म ढाती रही। जब बीजेपी सरकार का सिंहासन डोलने लगा तो इन्हें लगा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं हुआ तो अगला नंबर सीधे प्रधानमंत्री के इस्तीफे का होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा अपने आप नहीं हुआ बल्कि जनता ने छाती पर चढ़कर लिया है। यानी जनता ने देश के शिक्षा मंत्री को बर्खास्त कर दिया। ये केवल एक शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं था बल्कि देश की जनता ने भाजपा सरकार के घमंड को तोड़ दिया लेकिन जब तक ये घमंड चकनाचूर नहीं होगा तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व विधायक जगबीर सिंह मलिक, पूर्व सीपीएस जयवीर बाल्मीकि, पूर्व विधायक सुरेन्द्र पँवार, पूर्व विधायक सुखबीर फरमाना, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, जय भगवान अंतिल, जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजीव दहिया, सुरेन्द्र दहिया, रौनक खत्री, सुनील दहिया, जोगिंद्र दहिया, मनोज रिढाऊ, सुरेंद्र शर्मा, अंजू बाला खटक आदि मौजूद रहे।दहिया खाप के प्रधान जयपाल दहिया, गहलावत खाप के अठगामा के प्रधान सतबीर नंबरदार व गहलावत खाप के ऑल इंडिया प्रधान दयानन्द गहलावत ने खुद को सामाजिक व्यक्ति बताते हुए राजनीतिक मंच साझा किया।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028